

सम्पादकीय

मल्लिकार्जुन खड्गे ने इस मौके पर कहा कि 12 मिनट में बिना चर्चा के 50 लाख करोड़ रुपये का बजट पास हो गया। अडानी की वजह से सत्तारुद्ध दल ने संसद का बजट सब नहीं चलने दिया। मोदी सरकार अडानी को बचाने में जुटी है। यही आरोप अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने भी लगाया। श्री खड्गे ने सरकार पर संसद की...

संसद में वक्त और धन की बर्बादी

गुरुवार 6 अप्रैल को संसद भवन के सामने विपक्षी दलों के कई सांसद हाथों में तिरंगा लिए जिस तरह चले जा रहे थे, उस दृश्य को देखकर फिल्मों में दर्शाए गए वे प्रसंग याद आ गए, जिनमें गुलामी से मुक्ति पाने के लिए छठपटाते देश के लोग हाथों में परचम और होठों पर आजादी के तराने लिए खेंखोफ निकल पड़ते हैं। पर्दे पर आजादी के संघर्ष को देखना अलग बात है, यह हमें भारत में अंग्रेजी राज की याद दिलाता है और ये अहसास गहरा करता है कि कितने मुश्किलों से आजादी मिली है। इसके लिए कितने लोगों ने कुर्बानियां दी हैं। लेकिन जिस समय सरकार आजादी के 75 साल को अमृत महोस्त्व नाम देकर भव्य आयोजनों में लगी हुई है, उस वक्त विपक्षी सांसदों का तिरंगा लेकर निकलना विचारणीय और चिंतनीय मसला है कि लोकतंत्र को किस हाल में पहुंचा दिया गया है। आज विपक्ष के सांसदों ने संसद से विजय चौक तक जो तिरंगा मार्च निकाला, उसमें यही नारे लगाए कि लोकतंत्र की हत्या बंद करो। लोकतंत्र हाड़—मांस का कोई जीव नहीं है, लेकिन भारत जैसे देश के लिए लोकतंत्र धड़कनों के समान है। जब तक लोकतंत्र धड़कता रहेगा, देश जीवित रहेगा। और इस धड़कन को प्राणवायु संसद से मिलती है। इसी संसद में देश भर के निर्वाचित प्रतिनिधि साथ में बैठते हैं, बहसें करते हैं, एक—दूसरे पर आरोप लगाते हैं, सवाल पूछते हैं, जबाब देते हैं और तमाम तरह के मंथन के बाद विधेयकों को पारित किया जाता है, जिनसे देशहित और जनहित का काम सधारता है। लेकिन इस बार बजट सब्र सरकार के अडियल रुख के कारण हंगामे की भैंट चढ़ गया। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च नामक थिंक टैंक के अनुसार, इस बार के बजट सब्र में लोकसभा में 133.6 घंटे काम होना था, लेकिन कंपल 45 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ जबकि राज्यसभा में 130 घंटे की निधि रिट अवधि के मुकाबले 31 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ। लोकसभा में 34.28 प्रतिशत

और राज्यसभा में 24 प्रतिशत ही काम हुआ। बाकी पूरा वक्त शोर—शराबे, विरोध, नारेबाजी में गुजर गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बजट सब्र के दौरान हुए कामकाज का जो व्यौरा प्रस्तुत किया उसके मुताबिक संदर्भ में आठ विधेयक पेश किए गए और पांच विधेयक पारित हुए हैं। संसद में भाजपा का बहुमत है तो विधेयकों को पारित करने में यूं भी कोई अड़चन नहीं आती, लेकिन सवाल ये है कि इन विधेयकों पर कितनी देर चर्चा की गई और विपक्ष की इसमें कितनी भागीदारी रही। क्योंकि विपक्ष बजट सब्र में लगातार जिस मांग पर अड़ा रहा, उस पर तो सरकार अब भी मौन ही है। हिंडलबर्ग रिसर्च फर्म की अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप वाली रिपोर्ट के बाद से विपक्ष सरकार से यही मांग कर रहा है कि इस मसले पर एक संयुक्त संसदीय समिति बनाकर जांच कराई जाए। लेकिन सरकार इसके लिए किसी भी तह तैयार नहीं हो रही, बल्कि अडानी शब्द के उच्चारण से ही बचती दिख रही है। विपक्ष की मांग के जबाब में सत्तारुद्ध भाजपा के लोग राहुल गांधी के बिटेन में दिए भाषण पर माफी की मांग करते रहे। राहुल गांधी ने माफी तो नहीं मांगी, इस बीच मानहानि मुकदमे में उहौं सजा हुई और लोकसभा की सदस्यता खत्म कर दी गई। कांग्रेस विरोधियों के लिए बजट सब्र का सबसे बड़ा हासिल शायद यही है कि अब राहुल गांधी संसद में नहीं हैं। लेकिन उन्होंने जो सवाल वहां उठाए थे, वे अब भी अनुरित संसद के गलियारों में गूंज ही रहे हैं। संसद के बाहर भी राहुल गांधी लगभग हर रोज सरकार से अडानी मुद्दे पर सवाल पूछ ही रहे हैं। लोकतंत्र में यह बड़ी अजीब बात लग रही है कि सत्तारुद्ध दल एक ऐसे मुद्दे पर सवाल पूछ ही रहा है, जिस के बारे में जानना देश के लोगों का हक है। सरकार के इस अडियल रुख के खिलाफ ही आज विपक्षी दलों ने तिरंगा यात्रा निकाली, जिसमें कांग्रेस के साथ द्रुमुक, सपा, राजद, राकापा और वाम दल शामिल हुए।

मानव अधिकारों की चिंता

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना सरकारों और वित्तीय संस्थानों का वायित्व है। लेकिन यह मदद इस रूप में दी जाना चाहिए, जिससे मानव अधिकारों के लिए खतरा पैदा ना हो। वित्तीय संकट में फंसे किसी देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा कोष (आईएमएफ) जैसी सख्त शर्तों पर त्रृप्त देता है, वह पहले से काफी विवादास्पद रहा है। लेकिन आईएमएफ के इस रुख के खिलाफ अब तक सवाल आम तौर पर वामपंथी संगठन उठाते थे। यह संभवतर पहला भौका है, जब तो पश्चिमी मानव अधिकार संगठनों ने इसे मुद्दा बनाया है। पहले ऐस्टर्स्टी इंटरनेशनल श्रीलंका पर लगी गई आईएमएफ की शर्तों पर चिंता जारी और उसके बाद ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में आईएमएफ के अर्थक शुद्धर कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि नीतियां ऐसी अपनाई जानी चाहिए, जिनसे श्रीलंका में आम जन के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का और क्षण ना हो। इसके पहले ऐस्टर्स्टी इंटरनेशनल ने कहा था कि आईएमएफ की शर्तों को लेकर वह इस अंतरराष्ट्रीय संस्था के अधिकारियों से बातचीत करेगा और उन्हें अपनी चिंता बताएगा। ह्यूमन राइट्स वॉच ने श्रीलंकार्का आईएमएफ एक ऋण से अधिकारों के क्षण का खतराव शीर्षक के साथ एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है— इसकारी भ्रष्टाचार और टैक्स नियमों से धनी लोगों को लाभ हुआ, जो श्रीलंका के आर्थिक संकट का प्रमुख कारण है।

इस कारण श्रीलंका के लोगों को अपनी जरूरतों पूरी करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्हीं लोगों पर और बोझ नहीं डाला जाना चाहिए यह विशेषज्ञों के बीच भी आम राय यही है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट दशकों तक अपनाई गई गैर-जिम्मेदाराना मौद्रिक नीति, सम्बिली के गलत इस्तेमाल और कुशासन का परिणाम है। इसकी सबसे अधिक मार आम जन पर पड़ी है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आईएमएफ की शर्तों की मार भी उन्हीं लोगों को झूलनी पड़ रही है। अब ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना जरूरती और बोझी और विशेषज्ञों के बीच भी आम राय यही है कि आज जन के आर्थिक संकट दशकों तक अपनाई गई गैर-जिम्मेदाराना मौद्रिक नीति, सम्बिली के गलत इस्तेमाल और कुशासन का विवरण है। इसकी सबसे अधिक मार आम जन पर पड़ी है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आईएमएफ की शर्तों की मार भी उन्हीं लोगों को झूलनी पड़ रही है। अब ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के लिए खतरा पैदा ना हो। स्पष्टतर आम अधिकार संगठनों की इस पहल का स्वागत किया जाएगा। जरूरत ऐसे कथित आर्थिक सुधारों का असली चेहरा सामने लाने की है, जो आम जन की कीमत पर समृद्ध वर्गों के हित साधती है।

प्रमोद भार्गव
देश के मंदिरों में जैसे—जैसे विशेष पर्याप्त और भगवानों के प्रकट दिवस पर उत्सव मर्मांता की धूम बढ़ रही है, वैसे—वैसे मंदिरों में जानलेवा हादसों की संख्या भी बढ़ रही है। उत्सवधर्मांता बढ़ाने में सोशल एवं डिजिटल माध्यमों का खूब चामत्कारिक योगदान तो बढ़ रहा है, परंतु जब घटना घट जाती है, तब मौत से ज्यून रहे लोगों को बचाने में इनका उपयोग सामने नहीं आ पाता?

200 साल पुरानी बावड़ी को 45 साल पहले 800 वर्ष फीट की छत डालकर ढका एसा इंदौर में बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में स्पष्ट रूप से देखने में आया है। हादसा घटने से खोल घटने एवं डिजिटल माध्यमों का खूब चामत्कारिक योगदान तो बढ़ रहा है, परंतु जब घटना घट जाती है, तब मौत से ज्यून रहे लोगों को बचाने में इनका उपयोग सामने नहीं आ पाता?

देश में धर्म—लाभ कमाने की प्रकृति से जुड़े हादसे अब लगातार देखने में आ रहे हैं। अंग्रेज देश के राजमुद्रों में पुश्करातू उत्सव में मची भगदड़ से एक दिवस पर चुम्पिस, प्रशासन और राहत दल भौके पर पहुंचे लेकिन एसडीआईएफ और पुलिस दलों के पास न तो बावड़ी में उत्तरने के लिए रसियां थीं और न ही सीढियां। जबकि मंदिर प्रबंधन द्वारा सूचना दी गई थी कि यह हादसा बावड़ी की छत ध्वस्त हो जाने से हुआ है। छत पर पूजा—पाठ कर रहे लोग बावड़ी में गिर गए जिसमें पानी भी भरा है। गमनित रही है कि फायर ब्रिगेंड की रसियां और सीढियों का उपयोग किया गया। पानी खाली करने की बात आई, तब पता चला कि निगमकर्मियों के पास साठ फीट गहरी बावड़ी से पानी खींचने के लिए चालीस फीट लंबा ही पाइप है। नतीजतन, समय

सका और 35 लोग मारे गए थे। मथुरा के बरसाना और देवघर के श्री ठाकुर आश्रम में मची भगदड़ से लगभग एक दर्जन श्रद्धालु मारे गए थे। यहां पर चावड़ा घटने से 30 लोग मारे गए थे। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घटना नहीं है। यहां पर चावड़ा घटने से 20 लोगों के प्राणों की आहुति लग गई थी। महज भगदड़ से अब तक तीन हजार से भी ज्यादा भगदड़ द्वारा बहुत ज्यादा घटनाएँ हो रही हैं। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घटना नहीं है। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घटना नहीं है। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घटना नहीं है। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घटना नहीं है। यहां पर चावड़ा घटने से यह कोई दूसरा घट

तरबगंज पुलिस ने 2 नफर अभियुक्त को अवैध कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा आकाश तोमर द्वारा अवैध शराब



भाइयों को जहां एक तरफ जैविक खेती करने का महत्व समझा है तो वहीं दूसरी तरफ शासन व प्रशासन को किसानों को जैविक खेती हेतु हर प्रकार की सुविधा देने के लिए धरातल पर कार्य करना होगा और लोग अपने आप को अधिक बढ़ जाएंगी और लोगों को नाना प्रकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निजात मिलेगा अब समस्याओं से अपील किया कि यदि आप ने किसानों को आश्वस्त किया तो संख्या से अपील किया कि यदि आप ने किसानों को आश्वस्त किया तो संख्या बढ़ जाएंगी और लोग अपनी आधिकारी तरबगंज संसार सिंह राजी ने निर्देश दिया गया है कि हमारे किसानों को जैविक खेती के लिए अधिक उपरिक्षण के निकार्फण, बिक्री व परिवहन के रोकथाम हेतु कड़ी कारबाई के निर्देश जनपद गोंडा के समस्त थानाघासधारी निरीक्षक को निर्देश दिये थे। उक्त क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज व क्षेत्राधिकारी तरबगंज संसार सिंह राजी ने निर्देश में शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक थाना तरबगंज मनोज पाठक के नेतृत्व में थाना तरबगंज पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान 2 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक मनोज पाठक ने बताया तरबगंज पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त बुजेश कुमार सिंह पुत्र भगवान बक्सा सिंह निवासी ग्राम निवासी दर्जी कुआं थाना को तोवारी देहात जनपद गोंडा व भारत सिंह पुत्र नक्छेद सिंह निवासी चन्द्रसुहा थाना तरबगंज जनपद गोंडा को गिरफ्तार किया गया है जिनके पास से दो पिपिया में 10-10लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई दोनों अभियुक्त के विरुद्ध सम्बन्धित धाराओं में उनिनो सन्धीप वर्मा, उनिनो सोन प्रताप सिंह, है०का० अमर सिंह, है०का० दिनेश यादव, का० रितेश कुमार शामिल रहे।

एसपी द्वारा रिजर्व पुलिस

लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली गई सलामी किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। डॉ यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस



लाईन परेड ग्राउंड में सापाहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में द्वारा यूपी-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण सुक्षम उपकरणों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाईन संजीव कटियार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीण मौजूद रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर

पुलिस लाईन चुर्क, सोनभद्र में मेडिकल कैम्प का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवार के कल्याणी



स्वास्थ्य के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क सोनभद्र में मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। मेडिकल कैम्प में पुलिस लाईन के पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकीय टीम द्वारा चेक अप कर बीमारी से सम्बन्धित दवाईयां दिया गया तथा उहाँ स्वयं को स्वयं रखने तथा खान-पान के सम्बन्ध में सुझाव दिये गये। इस दौरान चिकित्सकीय टीम से डॉ० अनिल चौहान ३०० स्वास्थ्य पर्याप्त अपने सहयोगियों के मुस्तैद रहे।

थाना करमा पुलिस द्वारा अपहरण से सम्बन्धित प्रकरण में अपहृता को सकुशल किया गया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश
करमा, सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा गुमशुदा अपहृता से सम्बन्धित अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण में थाना करमा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु००३०३०-३४२०२३ धारा 366 भादवि से सम्बन्धित अपहृता की बरामदगी कर सकुशल परिवार के सुपुर्द किया गया।

दैनिक बुद्ध का संदेश

रूपझीह, गोंडा। रघु बाबा हेतु केंद्र सरकार व राज्य सरकार समाज सेवा संस्थान की मासिक से प्रत्यावार का उनकी समस्याओं वैठक धुचुवापुर चौराहे पर स्थित का निदान कराया जाएगा। इस प्रशासनिक कार्यालय पर समन्वय बैठक में अहम मुद्दा देश में अद्वैत जिसमें संस्था से जुड़े लोगों का से अधिक लोगों में फैल रही के साथ क्षेत्रीय किसानों ने भी नाना प्रकार की बीमारियों पर बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें चर्चा की गई जिसमें संस्था के क्षेत्र के किसानों ने अपनी अद्यक्ष राज कुमार दुबे ने किसानों समस्याओं को बताया तो संस्था से अपील किया कि यदि आप ने किसानों को आश्वस्त किया लोग रासायनिक खाद्यों बीजों

के उनकी हर समस्या के निदान और दवाइयों का इस्तेमाल करना बंद कर दे तो देश में नाना प्रकार की फैल रही बीमारियों हेतु दूसरी तरफ शासन के लाखों को बढ़ और हमारे देश के लोगों को जिस तरह से अपनी कमाई का है और हमारे देश के लोगों को जिस तरह आय हिस्सा दवाइयों में खर्च करना पड़ रहा है वह खर्च बच जाए और लोग अपने आप को और आत्मनिर्भर बना सकें श्री दुबे ने किसानों से अपील किया

कि वह रासायनिक खेती से दूरी बनाए और जैविक खेती की तरफ भाइयों को सरकार जैविक खेती के लिए अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराए तो किसानों को लाखों करोड़ों रुपए का बचत होगा तो वही दूसरी तरफ हमारे देश के लोगों को स्वस्थ जीवन मिलना शुरू हो जाएगा आज हमारे देश में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसका मूल कारण सिर्फ रासायनिक

खेती ही यदि हमारे किसान भाइयों को सरकार जैविक खेती करने का महत्व समझा है तो वहीं दूसरी तरफ शासन व प्रशासन को किसानों को जैविक खेती हेतु हर प्रकार की सुविधा देने के लिए धरातल पर कार्य करना होगा और लोग आजीर्णी और लोगों को नाना प्रकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इसका नाम आ गया है कि हमारे किसानों को जैविक खेती के लिए जैविक खेती का संदेश रावट्स, सोनभद्र।

भजन संध्या में मरवीड़ा से चल कर रामरेखा झूमे हनुमान भक्त पहुचे साधु, रात्रि बिश्राम

दैनिक बुद्ध का संदेश

रॉटर्टसंग, सोनभद्र।

■ हनुमान जी की हुई भव्य जन्म उत्सव आरती
■ श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया मंडर का प्रसाद



के संयोजकत्व देर शाम भव्य भजन संध्या का आयोजन कराया गया। जिसमें की पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध भजन गायक सूरज गुप्ता, ओमकार विश्वकर्मा और वाराणसी से पधारे गायक छोटे शुक्ला एवं गायिका राधा मिश्रा ने बजरंगबली के एक बैठकर एक भजनों को गाया। जिसे सुनकर वहाँ उपस्थित भक्त भजन यथा बजरंगबली के जय कारे लगाए हुए झूमने लगे। भजन गायकों के साथ आर्गन पर नामों दुबे, ढोलक पर जां व पैड पर छोटू ने संगत किया। वही जय मां गायत्री ज्ञाकी युप द्वारा प्र० आकाश गुप्ता के नेतृत्व में मां काली, भोलेनाथ के पात्र में बने कलाकारों द्वारा भव्य ज्ञाकीयां प्रस्तुत की गई। इसके पूर्व संकट मोचन मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा द्वारा शाम 7:00 बजे श्री बजरंगबली की जन्म उत्सव आरती भव्यता के साथ की गई। जिसमें की भारी संख्या अभियोग ने भक्तगण उपस्थित रहे। वही मंदिर प्रागण में विशाल भड़ेर का आयोजन किया गया जिसमें की सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने भंडरों का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर परिवर्तक के व्यवस्थापक द्वंगरमल, अग्रवाल, सचिन जयसवाल, गया प्रसाद, संतोष कुमार सिंह, दिनेश शुक्ला, संतोष चौबे, अजीत शुक्ला, शिवा पांडे, आत्माराम पांडे दीपू केसरी, अभिषेक सिंह, राहुल केसरी, लक्ष्मण, निखिल चौबे, दादे चौबे, सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्ध का प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेंसी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उप्र०) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आर्ह. नं.-UPHIN/2012/49458

संस्थापक स्व. के.सी. शर्मा सम्पादक राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

f दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917, 9415163471

@budhakasandesh

M budhakasandeshnews@gmail.com

e www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समरूप समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत

उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर

तेज धूप ना छीन लें आपकी त्वचा का निखार, इस तरह करें अपनी स्किन की देखभाल



पिंक आउटफिट में एकट्रेस अंकिता मलाइका अरोड़ा का नया गाना तेरा की लोखंडे दिखीं गजब की बला, ख्याल रिलीज, गुरु रंधावा संग आई नजर फोटो ने बढ़ाई इंटरनेट पर गर्मी

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एकट्रेस अंकिता लोखंडे अपनी खूबसूरती और अदाकारी



से फैंस को घायल किए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी धमाल मचाती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को बेताब किए हुए हैं। एकट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। पिंक कलर के स्टाइलिश आउटफिट में एकट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही गौरीरंग लग रही हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रही हैं। हेयर स्टाइल के साथ ही मिनिमल मेकअप में एकट्रेस अंकिता लोखंडे की तस्वीरें देख कर हर कोई उनकी अदा पर किंदा हो रहा है। ग्लॉरी मेकअप के साथ ही ईयरिस्प पहने हुए एकट्रेस अंकिता लोखंडे गजब की बला लग रही हैं। अंकिता लोखंडे की आंखों में लगा गहरा काजल देख कर हर कोई उनकी आंखों में डूबने को मजबूर हैं। अंकिता की खूबसूरती देखकर कोई भी उनका कायल हो जाए। वहीं, उनके स्टाइल को चार चांद लगा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार कमेंट्स कर रहे हैं। जो उनकी फोटोज पर हॉर्ट और फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। एकट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। अंकिता लोखंडे की इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

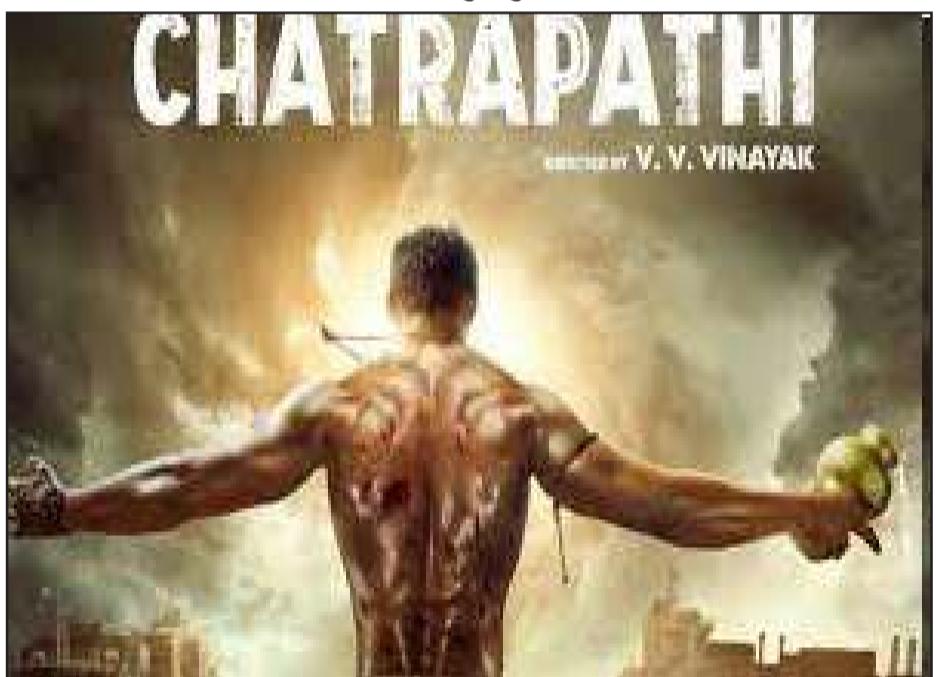
आ रहे हैं। वीडियो ने फैन्स के बीच काफी एक्साइटमेंट क्रिएट कर दी है।

गौरतलब है कि मलाइका अभिनय से कहीं ज्यादा अपने डांस स्टाइल को लेकर जानी जाती हैं। उन्होंने छेया छेया, गुड नाल इश्क मिठा, माही वे, मुन्ही बदनाम हुई, पांडे जी सीटी जैसे गानों में जबरदस्त डांस किया है। इसके अलावा आजकल मलाइका मूविंग इन विद मलाइका को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उन्होंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़े कई राज खोले हैं।

मलाइका अपने सिजिलिंग लुक और डॉस मूव्स से सभी का ध्यान खींचती हैं, पंजाबी गायक अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्रमुद्ध कर देते हैं। वीडियो में मलाइका अरोड़ा और गुरु रंधावा को एक-दूसरे के साथ रोमांस करते और साथ में बेहद आकर्षक नजर

तेलुगू फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक का टीजर जारी

राजामौली की 2005 की तेलुगू ब्लॉकबस्टर छत्रपति की आधिकारिक हिंदी रीमेक, जो तेलुगू अदाकार श्रीनिवास बेलमकोंडा की पहली बॉलीवुड शुरुआत भी है, 12 मई को अखिल भारतीय



रिलीज के लिए तैयार है। छत्रपति का एक्शन से भरपूर टीजर, जिसे जारी किया गया था, बेलमकोंडा द्वारा प्रमुख चरित्र का परिचय दिया गया।

बेलमकोंडा ने कहा, मैं छत्रपति जैसी विशेष फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने को लेकर खुश हूं, जो एक रोमांचक और सुन्दर सामूहिक एक्शन फिल्म है। इसके पर काम करने का हर पल उतना ही रोमांचक था जितना कि यह चुनौतीपूर्ण था और आखिरकार हम खुश हैं इसे हिंदुस्तान भर के दर्शकों के सामने पेश करें।

यह फिल्म एसएस राजामौली की तेलुगू ब्लॉकबस्टर छत्रपति की आधिकारिक हिंदी रीमेक है और इसे उनके पिता और अनुभवी लेखक भी। विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है, जिन्हें श्वारआरआरच, श्वाहुबलीच सीरीज और श्वारआरआरच जैसी फिल्मों में उनके गौरतलब काम के लिए जाना जाता है।

पैन स्टूडियोज के जयंतीलाल गाडा द्वारा निर्मित और विनायक द्वारा निर्देशित बड़े-टिकट, बड़े-कैनवस एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है।

एस एस। राजामौली की छत्रपति अधिकारिक भारतीय दर्शकों के लिए फिर से कल्पना करने के लिए एक अदर्श परियोजना थी। बहुत प्रतिशताली श्रीनिवास बेलमकोंडा को पूरी तरह से नए बाजार में पेश करने के अलावा, फिल्म में मुख्यधारा के मनोरंजन के सभी आवश्यक घटक भी हैं।

छत्रपति एक ऐसे आदमी की कहानी बतलाती है, जो बड़े पैमाने पर उत्पीड़न के अधीन प्रवासियों के रक्षक बनने के लिए उत्पीड़न के विरुद्ध उठता है।

अपना पहला टैटू गुदवाने से पहले जान लें इनसे जुड़े ये 5 भ्रम और उनकी हकीकत



देते हैं। भ्रम— टैटू गुदवाने के बाद व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकता : अगर आपका मानना भी यही है कि यह ज्यादा और कुछ नहीं है। वास्तव में कोई व्यक्ति टैटू गुदवाने के बाद भी रक्तदान कर सकता है। हालांकि, अगर उसे किसी तरह का संक्रमण है तो वह रक्तदान नहीं कर सकता है।

पहली बार टैटू गुदवाना रोमांचक के साथ—साथ डरावना भी हो सकता है और डर का कारण इससे जुड़े भ्रम होते हैं, जिन्हें लोग सच मानते हैं। तरह—तरह की डिजाइन वाले टैटू देखने में तो काफी अच्छे लगते हैं, लेकिन इन्हें बनवाने से पहले इनसे जुड़े भ्रम और उनके पीछे की हकीकत जान लेना अच्छा रहता है। आइए आज हम आपको टैटू से जुड़े 5 सामान्य भ्रम और उनकी सच्चाई के बारे में बताते हैं। भ्रम— टैटू प्रक्रिया के दौरान बहुत खून बहता है: टैटू गुदवाने से जुड़ा यह सबसे आम भ्रम यही है कि इसकी प्रक्रिया के दौरान बहुत खून बहता है। सच यह है कि टैटू गुदवाते समय थोड़ा खून निकलने की संभावना रहती है, लेकिन वह भी कुछ ही मिनटों में रुक जाता है। वहीं टैटू गुदवाने के दौरान कुछ लोगों का तो एक बांद भी खून नहीं निकलता है। ऐसे में चिंता की कोई बात नहीं है। भ्रम— टैटू स्थायी होते हैं और हमेशा के लिए रहते हैं: यह भ्रम तो काफी सालों से कायम है कि टैटू स्थायी होते हैं और हमेशा के लिए रहते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। सच्चाई यह है कि विभिन्न ब्रीम और लेजर उपकरणों के माध्यम से टैटू हटाना संभव है। ये उपकरण या तो आपके टैटू को पूरी तरह से गायब कर सकते हैं या इनके रंग को हल्का कर सकते हैं। त्वचा से टैटू हटाने के लिए इन 5 घरेलू तुलसी के अजमाएं।

भ्रम— टैटू गुदवाने से एड्स या कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है: एक भ्रम यही है कि इसे गुदवाने से एड्स या कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। अगर आप किसी ऐसी जगह से टैटू गुदवाते हैं, जहां पर स्टरलाइजेशन से लेकर हाजीन तक का ख्याल रखा जाता है और हर बार फ्रेश सुर्ख का इस्तेमाल किया जाता है तो आपको इस बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। बस यह ध्यान रखें कि हमेशा किसी अनुभवी आर्टिस्ट से ही टैटू गुदवाएं।

भ्रम— टैटू गुदवाने के बाद सरकारी नौकरी नहीं मिलती है

आपने कई लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि टैटू गुदवाने के बाद सरकारी नौकरी नहीं मिलती है, लेकिन ऐसा नहीं है। अब टैटू गुदवाना आपके पेशेवर क्षमता को तथ्य करने वाला पैरामीटर नहीं है। टैटू निजी जीवन का एक हिस्सा है, जिसका पेशेवर सेटअप से कोई लेना-देना नहीं है। यहां पर तक कि सरकारी संगठन (भारतीय सेना और वायु सेना आदि) छोटे टैटू गुदवाने की अनुमति नहीं है है। लेकिन ऐसा होता है कि टैटू गुदवाने के बाद व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, टैटू गुदवाने के लगभग 6 मीटरों के बाद

